# एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष

## प्रथम पत्र : आधुनिक काव्य

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**Answer any four questions of the following.**

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) कौन तुम? संसृति–जलनिधि–तीर
तरंगों से फेंकी मणि एक
कर रहे निर्जन का चुपचाप
प्रभा की धारा से अभिषेक!
मधुर विश्रांत और एकांत–
जगत् का सुलझा हुआ रहस्य,
एक करूणामय सुन्दर मौन
और चंचल मन का आलस्य!

(ख) आँखों में प्रिय–मूर्ति थी, भूले थे सब भोग,
हुआ योग से भी अधिक उसका विषम–वियोग
आठ पहर चौंसठ घड़ी स्वामी का ही ध्यान,
छूट गया पीछे स्वयं उससे आत्मज्ञान।

(ग) 'धिक जीवन जो पाता ही आया है विरोध,
धिक साधन, जिसके लिए सदा ही किया शोध
जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।"
वह एक और मन रहा राम का जो न थका,
जो नही जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त कर जय,
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत गति हतचेतन
राम में जागी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन।

2. आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए आधुनिक हिन्दी काव्य के स्रोतों का संक्षिप्त परिचय दीजिए?
3. 'कामायनी' प्रसाद की प्रतिनिधि रचना है, सिद्ध कीजिए।

4. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) क्षमा शोभती उस भुजंग को,
जिसके पास गरल हो।
उसको क्या, जो दन्तहीन
विषरहित, विनीत, सरल हो?
तीन दिवस तक पन्थ माँगते
रघुपति सिन्धु –किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छन्द
अनुनय के प्यारे–प्यारे।

(ख) साँप !
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूं (उत्तर दोगो?)
तब कैसे सीखा डसना
विष कहाँ पाया?

(ग) जनहित–साधन में न निरत है
केवल होता पद का भार
वह क्या राजा? वह क्या नेता?
उससे पीड़ित है संसार
जनता से अधिकार प्राप्त कर
नहीं कभी करता उपकार
प्रथम वर्ण का लोप हो गया
और हो गया छित्व ककार।

5. निराला काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
6. 'नदी के द्वीप' कविता का विस्तृत परिचय देते हुए उसका महत्व प्रतिपादित कीजिए।

# एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष
# द्वितीय पत्र : गद्य साहित्य

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**Answer any four questions of the following.**

1. किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(1) ब्राह्मण न किसी के राज्य में रहता है और न किसी के अन्न से पलता है, स्वाराज्य में विचरता है और अमृत होकर जीता है। यह तुम्हारा मिथ्या गर्व है। ब्राह्मण सब कुछ सामर्थ्य रखने पर भी, स्वेच्छा से इन मया–स्तूपों को ठुकरा देता है, प्रकृति के कल्याण के लिए अपने ज्ञान का दान देता है।

(2) देशों कारीगरों को देश वाले ही नहीं पूछते। विशेषतः जो छाती ठोंक–ठोंक, ताली बजवा–बजवा कागजों के तक्ते रंग–रंग कर देशहित के गीत गाते फिरते हैं, वह और भी देशी वस्तु का व्यवहार कर अपनी शान से वैध समझते हैं।

(3) जो संसार त्यागी या आत्मत्यागी है उनका विगतमान होना तो बहुत ठीक है, पर लोकव्यवहार की दृष्टि से अनिष्ट से बचने–बचने के लिए इष्ट यही है कि हम दुष्टों का हाथ थामें और धृष्टों का मुँह उनकी वंदना करके हम पार नहीं पा सकते।

(4) महाराज को भूमि समर्पण करने में मेरा कोई विरोध न था और न है, किन्तु मूल्य स्वीकार करना असम्भव है।

2. 'गोदान' में गाँव तथा शहर का अन्तर्विरोध दर्शाइए।
3. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र चित्रण कीजिए।
4. 'उसने कहा था' के नायक लहनासिंह का चरित्र–चित्रण कीजिए।

5. किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(1) मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ। तुम्हारे साथ उसका इतना ही संबंध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है, अपने पर गर्व कर सकता है। परन्तु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्तव्य नहीं है? कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा, और घर में एक समय के भोजन की व्यवस्था भी नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा, उसका तुम क्या उत्तर दोगी। तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी, फिर कह दो कि यह मेरी नहीं, विलोम की भाषा है।

(2) हल्दी दूब इस देश की संस्कृति को रूप और सौन्दर्य स्पर्श देते रहे हैं, कमल गंध देता रहा है, पर दधि–अच्छत रस और शब्द देते रहे हैं।

(3) अरे मोर बाबू– हमें कहाँ छोड़ गये–अरे मोरी माई! पैदा होते ही हमें क्यों नहीं मार डाला! अरे धरती मैया हमें काहे नहीं लील लेती?

(4) चन्दा आदमी को पाप नहीं पश्चाताप मारता है, मैं बहुत पहले मर चुका था। बच्चे को लेकर जरूर चली आना।

6. ''बाणभट्ट की आत्मकथा' प्रेमव्यंजना की दृष्टि से मार्मिक कृति है।" कथन की समीक्षा लिखिये।
7. कहानी के तत्वों के आधार पर 'वापसी' कहानी की समीक्षा कीजिए।
8. हल्दी, दूब, दधि, अच्छत–लेखक के मत से मांगलिक उपकरण क्यों हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

# एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष
# तृतीय पत्र : काव्य एवं साहित्यालोचन

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
**Answer any four questions of the following.**

1. रस के स्वरूप पर विभिन्न आचार्यों के विश्लेषण का मूल्यांकन कीजिए।
2. 'अलंकार सम्प्रदाय' पर विचार कीजिए।
3. 'रीति सिद्धान्त' की प्रमुख मान्यताओं का विश्लेषण कीजिए।
4. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
5. लौंजाइनस का उदात्त क्या है? उदात्त के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण कीजिए।
6. रिचर्ड्स की व्यावहारिक आलोचना की विभिन्न स्थापनाओं का विश्लेषण कीजिए।
7. स्वच्छन्दतावाद' क्या है? इस धारा की प्रमुख विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।
8. विखण्डन क्या है? देरिदा के विखण्डन सिद्धान्त को समझाइए।
9. भिखारीदास के काव्यशास्त्रीय चिन्तन को निरुपित कीजिए।
10. शास्त्रीय और तुलनात्मक आलोचना क्या है? हिन्दी आलोचना साहित्य के इतिहास में इस धारा की उपस्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

# एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष
## चतुर्थ पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

**नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
**Answer any four questions of the following.**

1. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण पर प्रकाश डालिए।
2. आदिकाल साहित्य की पृष्ठभूमि पर एक निबन्धात्मक लेख लिखिए।
3. भक्तिकाल के उदय पर विभिन्न विद्वानों के मतों का उल्लेख कीजिए।
4. सूफ़ी प्रेमाख्यान काव्य परम्परा का वर्णन कीजिए।
5. खड़ी बोली और सहित्यिक भाषा की विकास यात्रा का उल्लेख कीजिए।
6. छायावाद की मूल प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।
7. समकालीन काव्य सृजन की मूल विशेषताओं पर एक निबन्धात्मक लेख लिखिए।
8. समकालीन हिन्दी कहानी–दशा एवं दिशा का वर्णन कीजिए।
9. आधुनिक हिन्दी आलोचना के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
10. उर्दू भाषा और साहित्य की विकास यात्रा का उल्लेख कीजिए।